हेली धिन घड़ी धिन भाग सतगुरु सा आया पावणा लिरिक्स

हेली धिन घड़ी धिन भाग,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

दोहा – लाख कोस सतगुरु बसे,
सुरति देवो पटाय,
तुरीय शब्द असवार हैं,
पल आवे छिन जाय।

हेली धिन घड़ी धिन भाग,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

सतगुरु घर कब आवसी ओ,
ज्यारी जोवाँ बाट,
नैण झरे हियो ऊमके रे,
ऊबी उड़ाऊ मैं काग,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

सतगुरु आया बाग में,
सूखा हरिया होय,
फूलों री फूलमाल गले में,
बाजे हैं जंगी ढोल,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

सतगुरु आया पोलिया,
लेवण बधावो जाय,
हरख उतारूँ आरती,
सैया मंगल गाय,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

सतगुरु आया चोक में,
गादी पिलंग ढलाय,
चरण खोल चरणामृत लेवां,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जन्म सफल होय जाय,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

सतगुरु मुख से बोलिया,
मीठा वचन सुणाय,
बाई अमना री विनती,
बिछुड़ियोडा हंस मिलाय,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

हेली धिन घडी धिन भाग,
सतगुरु सा आया पावणा।bd।

स्वर – सन्त चुकी बाई जी।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com